**Pre-Nicene Teaching on the Bible Grid** – Feb. 2023

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| **THE BIBLE** |  | **Legend for Cells** |
| Bi1. Study or obey God’s Word as an authority | Bi11. Veil on many when read Moses/OT 2 Cor 3:14 | **W** or **W** = Wrote explicitly on this teaching |
| Bi2. O.T. has God’s words; study it Mk12:24-25;Ac 3:22 | Bi12. We can understand scripture | **I** or **I** = Implied this is true or opposite is false |
| Bi3. Mediate on Gods’ words/commands Ps 63:6;;119 | Bi13. Acknowledge Bible copyist errors - | **N** = Implied since accepted Nicene Creed |
| Bi4. Jesus superseded some Old Testament laws | Bi14. We are to believe scripture Jn 2:22 | Q = Quote of 1 or more verses |
| Bi5. New Testament has God's words. 2 Pet 3:15-16 | Bi15. O.T. said the Messiah had to suffer/die | m = Mixed: some agree, others did not |
| Bi6. Some parts of the Bible are allegorical Ezek 17:1 | Bi16. Dual meaning of some prophecies | ½ = quote of ½ a verse A = Allusion |
| Bi7. Old Test. has types of Christ. Rom 5.14; 1 Cor 10:4 | Bi17. Don’t twist/corrupt meaning of scripture.2Pet3:16 | P = partial |
| Bi8. Melchizedek was type of Christ Gn14:18;Hb7:1-17 | Bi18. The Law was excellent or good. Rom 7:12-13,16 | - = no reference found |
| Bi9. Joshua was a type of Christ | Bi19. Scripture is called the word of God Psalm 33:4,6 |  |
| Bi10. The prophets were until John. Mt 11:13; Lk 16:16 | Bi20. Scripture is holy/sacred Isa 20:22; Rom 1:2; Rev3:7 | **X** = Disagree blank = not researched yet |

Rows: blue=Bible manuscript, white=Christian writer, khaki=spurious, green=heresy, orange=schism, pink=strange writer, yellow=foreign missions, **red**=Christians persecuted, **brown**=Christians persecuting

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| Christian writer, heretic, or Bible manuscript | Pages | Date A.D. | Bi1 | Bi2 | Bi3 | Bi4 | Bi5 | Bi6 | Bi7 | Bi8 | Bi9 | Bi10 | Bi11 | Bi12 | Bi13 | Bi14 | Bi15 | Bi16 | Bi17 | Bi18 | Bi19 | Bi20 |
| **Nero and Domitian persecute Christians** |  | **50 & 95/96** | est. 500K Christians. Labeled atheists & killed for refusing to worship emperor/idols | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Clement of Rome (wrote *1 Clement*) | **16.25** | 97/98 | **W** | **W** | - | - | **W** | - | **W** | P | - | - | - | **W** | - | - | **W** | - | - | - | P | - |
| An estimated 500,000 or 800,000 Christians | | by 100 A.D. | per *Ante-Nicene Fathers* vol.4 p.126 or *World Christian Trends AD 30-2200 AD* p.18 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Papias of Hierapolis, disciple of John | **2** | 95-110 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| “Presbyters” (Papias?) | **0.5** | -95-117 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Ignatius disciple of John (shortest version) | **13** | c.100-117 | - | **W** | - | **W** | Q | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | P | - |
| **Trajan persecutes Christians** |  | **107-117** | Answered Pliny the Younger’s letter. Christians not hunted, but killed if found. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| *Didache* (=*Teaching of the Twelve Apostles*) | **4.75** | c.60-120 | - | Q | - | - | Q | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| *Apology of Aristides* (Greek version) | **4** | 125or138-161 | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Quadratus of Athens fragment (apologist) | **.125** | 126 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| *Epistle of Barnabas* | **12.5** | c.70-130 | **W** | **W** | **W** | **W** | - | - | **W** | P | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** | - |
| **Hadrian persecutes Christians and Jews** |  | **118 & 134** | Hadrian loved Greek culture, and he persecuted both Jewish and Christian people. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| *Testaments of the Twelve Patriarchs* | **29** | 70-135 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| **Bar Cochba persecutes Christians** |  | **135** | Christians persecuted in Israel because they would not join Bar Cochba’s revolt. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| p52 Jn 18:31-33,37f-38 (5 verses) | | -138 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| *2 Clement* (anonymous writer) | **5.75** | 120-140 | **W** | **W** | - | - | Q | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p87 Phm 13-15,24-25 (5 verses) | | 100-150 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p46 Chester Beatty II - (70%) Paul, Heb (1,680 verses) | | 100-150 | P | **W** | **W** | **I** | **I** | **W** | **W** | **W** | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Akhmin *Apocalypse of Peter* (Greek) | **2** | 135,100-150 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p104 Mt 21:34-37,43-45(?) | | 150 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p98 Revelation 1:13-2:1 (9 verses) | | 150? | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| First churches in Morocco, Portugal, & south Germany | | c.150 | according to *World Christian Trends AD 30-AD 2200* p.113 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Polycarp *to the Philippians* | **3.5** | 100-155 | **W** | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** |
| *Epistle to Diognetus* (=*Mathetes to Diognetus*) | **5.25** | c.130-200 | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Apostolic fathers totals: all symbols except P’s | **67.7** | -155 | 5 | 5 | 1 | 3 | 5 | 0 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 |
| *The Epistle of the Apostles*. Against Cerinthus, Simon, and Gnostics. Canonical in the Ethiopic Orthodox Tawahedo Church | **9.8** | 2nd century | **W** |  |  |  |  |  |  |  | - |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| *Gospel of Mary* (ms. p463 is 200-250 A.D.) | **1** | 2nd century | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| *Shepherd of Hermas* | **46.5** | c.115-155 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Justin Martyr, philosopher, apologist | **137** | c.138-165 | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** |
| Evarestus *Martyrdom of Polycarp* | **5** | c.169 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Marcion of Pontus, pupil of Cerdo/Cerdon. Apelles & Prepon from Marcion. | | before 170- | Gnostics believed Creator was evil or foolish, rejected Old T., mixed in paganism. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Menander then Satorninos/Saturnilus (ascetic Gnostics) | | c.150-4th cen. | Cerdo & Menander from Simon in Acts. Encratite gnostics came from Saturnilus. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Dionysius of Corinth (wrote against Marcion) | **.333** | 170 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Tatian's *Diatessaron* | **86** | c.172 | **I** | **W** | - | - | **I** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - |
| Tatian, Encratite Gnostic later | **18** | c.172 | P | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| First Christians in Austria | | 174 | according to *World Christian Trends AD 30-AD 2200* p.113 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Basilides & his pupil Isidorus, changed from Menander 's teaching | **2.5** | 132-135-4th | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Sethians/Borborites (libertine Gnostics) | **20** | c.150-4th cen. | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Hermetic Gnostics (no mention of Christ) | **6** | c.150-4th cen. | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Valentinians including Heracleon, Colorbasus, Marcus, & *Ptolemy* | **23+*12*** | c.150-4th cen. | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Other gnostics: Cainites, Carpocrates, Docetics, Peretae, Cerinthus, Dositheus, Monoimus, Hermogenes, Marcillinians, Melchisedecians, Nicolaus, Ophites, Secundus/Epiphanes | **37** | c.150-4th century | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p66 Bodmer II Papyri - 92% of John (817 verses) | | c.125-175 | **I** | **W** | **W** | - | - | **W** | **W** | - | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - | P | - | - |
| p4+p64+p67 Lk 1:58-59; etc. Mt 26:7-8,etc.(95 verses) | | c.150-175 | **I** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p90 Jn 18:36-19:7 (11 verses) | | c.175 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Christians of Vienna and Lugdunum (Lyons) | **6.5** | 177 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Athenagoras (apologist) | **33.5** | 177 | **W** | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| **Persecution of Marcus Aurelius** |  | **162/166-180** | Stoic philosopher. Persecution, mainly in Gaul, ended when he died. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Claudius Apollinaris of Hierapolis | **0.5** | 160-177/180 | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Melito/Meleto of Sardis (Quartodecimian) | **11** | 170-177/180 | **W** | **W** | **W** | - | - | **W** | **W** | - | - | - | - | - | - | - | **W** | **W** | - | - | - | - |
| Hegesippus (chronicler) | **2.5** | 170-180 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Rhodon (against Marcion and Apelles) | **0.5** | 180 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Theophilus of Caesarea | **.125** | 180 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Theophilus of Antioch (*to Autolycus*) | **32** | 168-181/188 | **W** | **W** | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | **W** | **W** | **W** |
| Ebionite *Clementine Homilies* (Law, Father, Son) | **123.5** | -188- | **W** | **W** | **W** | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - |
| Ebionite *Letter of Peter to James* | **2** | -188- | **W** | **W** | **W** | **X** | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - | **I** | - | - |
| Ebionite *Letter of Clement to James* | **4.5** | -188- | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Christians warning about Ebionites | **1** | 182-325 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Irenaeus *Proof of Apostolic Preaching* | **22.75** | c.160-202 | **W** | **W** | - | **I** | - | - | **I** | P | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Irenaeus of Lyons, disciple of Polycarp | **262** | 182-188 | - | - | **W** | - | **I** | - | - | - | - | **W** | - | **W** | **W** | - | **W** | - | **W** | P | **W** | **W** |
| Pantaenus of Alexandria visited India | | 189 | Visited the Malankara church in India. They used the Gospel of Matthew in Hebrew. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| *Gospel of Peter* (Serapion finally against it) | **2** | 180-190 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Maximus of Jerusalem (wrote on origin of evil) | **5** | 185-196 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Polycrates of Ephesus (Quartodecimian) | **0.5** | 196 | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** |
| Christians in Bactria, Hindu Kush, and Kurdistan | | 196 | according to *World Christian Trends AD 30-AD 2200* p.113 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| p32 (=P. Rylands 5) Titus 1:1-15; 2:3-8 (21 verses) | | 150-200 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p77 Mt 23:30-39 (10 verses) | | 200 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Gaius of Rome started the Alogi heresy | **0** | c.200 | Claimed the Gospel of John and Revelation were by Cerinthus, not John | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| p23 James 1:10-12, 15-18 (7 verses) | | ca.200 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| An estimated 2 million Christians | | by 200 A.D. | According to the *Ante-Nicene Fathers* vol.4 p.126 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| *Passion of the Scillitan Martyrs* -died 180 A.D. | **0.75** | 180-202 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Caius and the Muratorian Canon | **3** | 190-217 | **W** | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** | **I** | - | - | **W** | - | - | **W** |
| Sabellian heresy (Praxeas, Noetus) | | c.200-257- | Patripassians believed the Father, Son, & Spirit were one person. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Zephyrinus & Callistus of Rome (adoptionists) | | 199-222 | God came upon the human man Jesus. Callistus excommunicated Sabellius. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **Persecution of Septimus Severus** | | **202** | est. 2M Christians. A Christian helped him when ill, but did not repeal existing laws. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| *Passion of Perpetua and Felicitas* | **7** | c.201/205 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| *Acts of Paul and Thecla* (Tertullian said faked by a presbyter) | **6** | before 207 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| **Romans kill first known martyrs in Britain** | | **209** | Alban, Julius, and Aaron were formerly thought killed in 304/5 A.D. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Epitaph of Abercius of Hieropolis in Phrygia Salutaris | **0.125** | 190-210 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Serapion of Antioch (against Marcion) | **.333** | 191/200-210 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Minucius Felix (*The Octavius*) | **25** | 210 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Apollonius of Ephesus (against Montanists) | **1** | c.210 | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Judah the Prince compiles the Jewish Mishnah |  | 189-217 | Oral traditions of the Pharisees were written down & became part of the Talmud | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Clement of Alexandria *Stromata* | **245.75** | 193-202 | **W** | - | **W** | - | - | **W** | **W** | **W** | - | **W** | **W** | **W** | - | **W** | **W** | - | **W** | **W** | - | - |
| Clement of Alexandria *Exhort. to the Heathen* | **34.75** | c.195 | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** | - |
| Clement of Alexandria (remainder) | **109** | 193-217/220 | **W** | **W** | - | **W** | **W** | **W** | **W** | - | **I** | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** | - | **W** |
| Tertullian (joined the Montanist Church) | **692.75** | 198-220 | **W** | **W** | - | **W** | **W** | **W** | **W** | P | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | - | **W** | - | **W** | **W** |
| Tertullian’s *5 Books Against Marcion* | **194** | 207/8 | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | - | - | - | - | - | - | **W** | - | - | **W** | **W** | - |
| Tertullian: *On Monogamy, On Modesty* | **41.25** | 213 | **W** | **W** | **W** | - | - | **W** | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | **W** | **W** | - | **W** |
| p75 Lk 3:18-22; etc. Jn 1:1-11:45,etc. (1,166 verses) | | 175-225 | **W** | **W** | - | - | - | **W** | - | - | - | **W** | - | - | - | **W** | - | - | - | - | **W** | - |
| 0189 Acts 5:3-21 (earliest N.T. parchment) (19 verses) | | 175-225 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p45 Chester Beatty I, Four gospels + Acts (833 verses) | | 200-225 | **W** | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |  | - | - | - | **W** | - |
| Green Collection #425 Rom 9:18-21 some Rom 10 | | early 3rd | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p29 Acts 26:7-8,20 (3 verses) | | 200-225 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p30 1 Th 4:12-13,16-17, 5:3,8-10,12-18,25-28; 2 Th 1:1-2; 2:1,9-11 (25 verses) | | early 3rd cent. | P | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Ebionite *Recognitions of Clement* (=*Sinai Epitome*) | **134** | 211-231 | **W** | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **-** | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Bardaisan/Bardesan of Syria (heretical). Against Marcion & Valentinus. | **11.5** | 154-224/232 | - | A | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Asterius Urbanus (against Montanists) | **2.75** | c.232 | **W** | **W** | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Elchasaite Ebionites (said Jesus God’s Son) | **2.25** | before 235 | - | **W** | - | **X** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Theodotus of Byzantium (Jesus born only a man) | **0.5** | before 235 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Justin's *Book of Baruch* -Moses,Heracles,Christ | **2.5** | 188-235 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Naaseni Gnostics & their *Gospel of Thomas* | **3+*6*** | 188-235 | - | - | **W** | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Hippolytus, pupil of Irenaeus (undisputed) | **218** | 222-235/6 | **W** | **W** |  | P | **W** | **W** | **W** | - | - | - | - | **W** | **W** | **I** | - | **W** | - | - | - | **W** |
| **Maximin Thrax persecutes Christians** | | **235-238** | First empire-wide persecution, but only of clergy. It stopped when he was killed. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| *Narrative of Zosimus* | **4.5** | before 240 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Theodotus the probable Montanist | **7.75** | ca.240 | **W** | **W** | - | - | **W** | **W** | - | - | - | - | - | P | - | - | - | **W** | - | - | - | - |
| *Instructions of Commodianus* | **16** | c.240 | **W** | **W** |  | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | P | - |
| Julius Africanus (undisputed writings) | **9** | 232-245 | - | - |  | - | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| pseudo-Clement *Two Epistles on Virginity* | **5.75+*5*** | before 246 | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Ebionite *Protoevangelium of James* | **6** | 145-248 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Heraclas of Alexandria 1st to be called a pope |  | 232-249 | No Roman bishop called a pope until the Council of Arles I in 314 A.D., Next was 347 A.D.. Siricius c.384-399 was the first Roman bishop to call himself a pope. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| p137 Mk 1:7-9,16-18 | | 150-250 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| "Revised Valentinian" *Tripartite Tractate* | **11** | 200-250 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p13 Heb 2:14-5:5;10:8-22;10:29-11:13;etc. 114 verses | | 225-250 | **W** | **W** | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p5 Jn 1:23-31,33-40; 16:14-20;20:11-17,19-20,22-25 (37 verses) | | early 3rd cent. | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| *Martyrdom of the Holy Martyrs* | **1.5** | before 250 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p1 Mt 1:1-9,12,14-20 (17 verses) | | 250 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p22 Jn 15:25-16:2; 16:21-32 (17 verses) | | c.250 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p91 Acts 2:30-37; 2:46-47; 3:1-2 (12 verses) | | 250 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p118 Rom 15:26-27,32-33; 16:1,4-7,11-12 (11 verses) | | 250 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p119 Jn 1:21-28,33-38,42-44 (17 verses) | | 250 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p121 Jn 19:17-19,25-26 (5 verses) | | 250 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p129 1 Cor 7:36-39;8:10;9:3,14-17;9:27-10:6 | | 250 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p131 Rom 9:18-21; 9:22-10:3 | | 250 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Nag Hamadi *Apocalypse of Peter* | **2.5** | 3rd century | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Hermias *Satire on Greek Philosophers* | **4.2** | 3rd century? | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| *Acts of Xanthippe, Polyxena, and Rebecca* | **12.5** | mid-3rd cent? | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Alexander of Cappadocia (Clem. A’.s pupil) | **0.75** | 233-251 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| pseudo-Justin Martyr (4 anonymous works) | **20.5** | 233-251 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Bishop Stephen I of Rome *Letter to Antioch* |  | 251 | Asked why Novatian did not know there should be only one bishop in Rome | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| *Sentences of Sextus* (partial) originally Pythagorean, modified by Christians. | **2** | before 253 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Origen (heterodox teacher) | **800.65** | 225-253/254 | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | - | **W** | **W** | **W** | **W** |
| Origen’s *Prayer, Exhortation to Martyrdom* | **180** | 233-235 | **W** | **W** | - | - | **I** | **W** | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** |
| **Severe persecution by Decius and Gallus** | | **250-251 - 253** | 1st Christian schism. Could fallen Christians return or doomed forever –Novatian | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| First Christian monks and hermits | | 250-251 | Peter the Hermit and others. Antony of Egypt (270-356 A.D.) was a bit later. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Novatian (his schism lasted over 200 years) | **38.5** | 250/254-257 | **W** | **W** | - | **W** | **W** | **I** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** | **W** | - | - |
| *Treatise Against Novatian* | **6.5** | 254-256 | **W** | **W** | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - |
| *Treatise on Rebaptism* | **11** | c.250-258 | **W** | **W** | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | P | - | - | - | - | - | **W** |
| Cyprian of Carthage (against Novatian) | **250.5** | c.246-258 | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | - | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | - | **W** | **W** | - | P | - | **W** | **W** |
| Roman church leaders (letters 2,29,30) | **1+4.75** | 250-251 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Lucian et al. (letters 16, *21*) | **.875** | 250-251 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Caldonius to Cyprian (letter 18) | **0.4** | 250-251 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Celerinus to Lucian (letter 20) | **1.25** | 250-251 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Moyses, et al. to Cyprian (letter 25) | **2.5** | 250 | **W** | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** |
| Cornelius to Cyprian (letters 45,47) | **1.25** | c.246-256 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Maximus, et al. to Cyprian (letter 49) | **0.25** | c.246-256 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Firmilian of Caesarea to Cyprian (letter74) | **7.25** | 256 | - | - | - | - | - | **I** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Nemesianus, et al. to Cyprian (letter77) | **0.75** | 254-257 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Lucius and the brethren to Cyprian (letter78) | **0.5** | 254-257 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Felix & the rest of the martyrs to Cyprian (79) | **0.25** | 254-257 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Seventh Council of Carthage (85 bishops) | **7.25** | 258 | **W** | **W** | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** |
| Pontius’ *The Life and Passion of Cyprian* | **7.5** | 258 | **I** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** |
| **Valerian persecutes Christians** | | **257-260** | 2nd most severe persecution. Tolerant at first, but then Macrianus influenced him. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Theognostus of Alexandria (Origenist) | **0.5** | 260 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Gregory Thaumaturgus (undisputed works) | **28.5** | 240-265 | - | **W** | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** |
| Dionysius of Alexandria (Origenist) | **39.5** | 246-265 | **W** | Q | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | **W** |
| Dionysius of Rome (*Against the Sabellians*) | **1** | 259-269 | **W** | **W** | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** | - |
| Malchion *(Against Paul of Samosata)* | **2.5** | 270 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| **Aurelian Persecution in the Roman Empire** | | **270** | At first tolerant, Aurelian died soon after he decided to persecute Christians. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Paul of Samosata, deposed bishop of Antioch | | 260-272 | Adoptionist Monarchian, said the *Logos* entered into Jesus at baptism. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| p37 Mt 26:19-52 (34 verses) | | 225-275,c.260 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p49/p65 Eph 4:16-29; 4:31-5:13 (29/19 verses) | | 225-275,c.260 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p53 Mt 26:29-30; Acts 9:33-10:1 (23 verses) | | mid 3rd cent. | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Pierius of Alexandria (fragment) | **0.5** | 275 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Mani & *Manichaean writings* (Augustine left this) Manes/Mani's father was an Elchasaite. | **5+17+** | c.278-c.500 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Anatolius of Alexandria (mathematician) | **7.5** | 270-280 | **W** | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** |
| **Persian Varahran II persecutes Christians** | | **286** | Persecuted Jews, Christians, Hindus, Buddhists, Manichaeans, and others | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| *Ascension of Isaiah* by Jewish/Christian scribes | **11** | 150-3rd cent. |  |  |  |  |  |  |  |  |  | - |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| p80 Jn 3:34 (1 verse) | | 3rd century | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p95 Jn 5:26-29,36-38 (7 verses) | | 3rd century | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p106 Jn 1:29-35,40-46 (14 verses) | | 3rd century | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p107 Jn 17:1-2,11 (3 verses) | | 3rd century | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p108 Jn 17:23-24; 18:1-5 (7 verses) | | 3rd century | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p109 Jn 21:18-20,23-25 (6 verses) | | 3rd century | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p111 Lk 17:11-13,22-23 (5 verses) | | 3rd century | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p113 Rom 2:12-13,19 (3 verses) | | 3rd century | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p114 Heb 1:7-12 (6 verses) | | 3rd century | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p9 1 Jn 4:11-12,14-17, p35, p69 (6,8,9 verses) | | 3rd century | - | ? | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p101 Mt 3:10b-12a; 3:16b-4:3 (6.5 verses) | | 3rd century | - | **-** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p20 Jms 2:19-3:9 (17 verses) | | 3rd century | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p27/p40 Rom 1:24- (30/29 verses) | | 3rd century | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p133 1 Tim 3:13-4:8 (12 verses) | | 3rd century | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p138 Lk 18:13-17,25-30 (11 verses) | | 3rd century | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Chester Beatty IX-X (Septuagint Ezekiel, Dan, Esther) Ezek 36:1-23b; 38-39; 37; 40-48; Susanna, etc. | | 3rd century |  |  |  |  | - |  | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p47 (= Chester Beatty III) 31% of Revelation. Rev 9:10-11:3; 11:5-16:15; 16:17-17:2 (similar to Sinaiticus) | | c.250-300 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p115 Rev 2:1-3,13-15,27-29; 3:10-12; 5:8-9; 6:5-6; 8:3-8,11-13; 9:1-5,7-16,18-21; 10:1-4,8-11; 11:1-5,8-15,18-19; 12:1-5,8-10,12-17; 13:1-3,6-16,18; 14:1-3,5-7,10-11, 14-15,18-20; 15:1,4-7 (119 verses) (similar to A & C) | | c.250-300 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p28 Jn6:8-12,17-22 (11 verses), p110 Mt10:13-15,25-27 | | late 3rd cent. | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p15/*p16* 1 Cor 7:18-8:4; Php 3:10-17; 4:2-8 42 verses | | late 3rd cent. | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p17 Hebrews 9:12-19 8 verses | | late 3rd cent. | **I** | **I** | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Theonas of Alexandria (*Letter to Lucianus*) | **3** | 282-300 | **W** | P | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** |
| p12 Heb 1:1 (1 verse) | | 285-300 | P | P | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| **King Tiridates III of Armenia** | | **>287-300** | At first persecuted Christians, then became one through Gregory the Illuminator | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| estimated 5M or 14M Christians. World pop. 192M | | by 300 A.D. | per *Ante-Nicene Fathers* v.4 p.126 or *World Christian Trends :AD 30–AD 2200* p.97 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| p18 Rev 1:4-7 (4 verses) | | 300 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p78 Jude 4-5,7-8 (4 verses) | | 300 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p100 Jms 3:13-4:4; 4:9-5:1 (20 verses) | | 300 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| p125 1 Pet 1:23-2:5; 2:7-12 | | 300 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p130 Heb 9:9-12,19-23 | | 300 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p24 Rev 5:5-8; 6:5-8 (8 verses) | | early 4th cent. | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p38+0162+0220+0232 13+12+6+9 verses | | ca.300 | **W** | **I** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - |
| p39 John 8:14-22 (8 verses) | | 3rd,3/4th cent. | **-** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p132 Eph 3:21-4:2; 4:14-16 | | 3rd/4th cent. | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p134 Jn 1:45-2:1 (8 verses) | | 3rd/4th cent. | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| 0312 Lk 5:23-24,30-31; 7:9,17-18 (7 verses) | | 3rd/4th cent. | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Crosby-Schoyen Coptic ms. All of 1 Peter and Jonah | | 3rd/4th cent. | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| 0171 Mt 10:17-23,25-32; Lk 22:44-50,52-56,61,63-64 | | ca.300 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p72 (=Bodmer 7,8) All of 1,2 Peter, Jude (191 verses) | | ca.300 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| p92 Eph 1:10f,11-13,19-21; 2Th 1:4-5,11-12 (10 verses) | | ca.300 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| David/Dudi of Basra (=David of Charax) | | ca.300 | Persian/Arab missionary to southern India | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Hierax/Hieracas, Egyptian monk | | ca.300 | said only celibate could enter the kingdom of God. His Bible commentaries are lost. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Adamantius *Dialog on the True Faith in God* | **42** | c.300 | **W** | **I** | - | - | **W** | **I** | **W** | - | - | - | - | - | - | - | **W** | - | - | **W** | - | **W** |
| Marcionite Megethius disputing Adamantius | **c.2** | c.300 | **W** | - | - | - | - | **M** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Marcionite Marcus disputing Adamantius | **c.2** | c.300 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Bardasene Marinus disputing Adamantius | **c.2** | c.300 | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Valentinians Doserius & Valens vs. Adamantius | **c.2** | c.300 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Valentinian Letter of Peter to Philip | **1.75** | c.300 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Sinaitic Old Syriac (Syr S) **Mt** 1:1-6:10, 7:3-12:4, 12:6-25, 12:29-16:15, 18:11-20:24, 21:20-25:15, 25:17-20, 25:25-26, 25:32-28:7, **Mk** 1:12-44, 2:21-4:17, 5:1-26, 6:5-16:8 (no ending), **Lk** 1:36-5:28, 6:12-24:52, **Jn** 1:25-47, 2:16-4:37, 5:6-25, 5:46-18:31, 19:40-end). | | After Nicea | **W** | **W** | - | **W** | - | **W** | **W** | - | - | **W** | - | - | - | **W** | - | - | - | - | **W** | - |
| Alexander of Lycopolis *Of the Manichaeans* | **12** | 301 | - | **W** | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| *Arnobius Against the Heathen* (undisputed) | **126.5** | 297-303 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| **King Tiridates III of Armenia** | | **>287-300** | At first persecuted Christians, then became one through Gregory the Illuminator | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Victorinus of Petau, Austria -commentator | **18.5** | martyred 304 | **W** | **W** | - | **W** | **W** | **I** | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - | **W** | - | - | **W** | - |
| **Most severe persecution by Diocletian** | | **284, 303-305** | est. 5M Christians, some killed for not sacrificing. destroyed churches/scriptures | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Council of Elvira (21 undisputed canons) | **1** | 306/307 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Phileas of Thmuis/Tmai, Egyptian Delta | **2.5** | beheaded 307 | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** |
| Pamphilus disciple of Pierius (Origenist) | **2.75** | martyred 309 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Peter of Alexandria (undisputed) | **8.5** | 306,285-311 | **I** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** | - |
| Creed of Lucian of Antioch | **0.3** | c.300-311 | - | Q | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Hesychius [Egypt],Pachomius,Phileas,Theodorus | **1** | martyred 311 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Donatus Magnus (Donatists) in North Africa |  | 311-411-533 | Refused to accept those who had ever surrendered their scriptures to authorities | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| Methodius (corrected Origen’s followers) | **79.5** | 270-311/312 | **W** | **W** | **W** | - | - | **W** | **W** | - | - | - | - | - | **W** | **W** | - | - | **W** | - | **W** | **W** |
| Council of Ancyra (Marcellus & 11 other bishops) | **3.333** | 314 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Council of Arles I, France. All celebrate Easter on the same day. Ex-communicated Donatists. First mention of a pope in Rome. | **0.333** | Aug. 314 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Council of Neocaesarea (Basil and others) | **1.333** | c.315 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| *Martyrdom of Habib the Deacon* by Theophilus | **5.5** | events c.315 | **W** | **W** | - | - | **W** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Athanasius *Against the Heathen* & *Incarnation* | **56** | 318 | **W** | **W** | - | - | **W** | - | - | P | - | - | - | - | - | - | **W** | - | - | - | - | **W** |
| **Licinius tyrannizes Christians in east Rom. Empire** | | **315-323** | Persecution because of politics, due to Christian support of his foe, Constantine. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| *Acts of Thomas* (early form) | **4** | pre-Nicene | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| *Odes of Solomon*. quoted by Lactantius | **10** | 125-325 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Lactantius, tutor of Constantine’s son | **274** | c.303-320/325 | **W** | **W** | - | **W** | **W** | **W** | **W** | **W** | - | - | - | **W** | - | - | **W** | - | - | - | - | **W** |
| Lactantius’ *Epitome of the Divine Institutes* | **31.5** | c.303-320/325 | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - |
| Alexander of Alexandria-Origenist, undisputed | **11.5** | 313-326 | - | **W** | - | - | **I** | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** |
| Eusebius *Demonstration of the Gospel + Chronicon + Letter to Carpasia* | **217.6**  **+54.9** | 318-325 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | **W** |
| Eusebius of Caesarea *Prep for the Gospel* | **375.7** | 318-325 | - | - | **I** | - | - | - | - | P | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | - | **W** |
| Eusebius’ *Ecclesiastical History* | **c.404** | 318-325 | **W** | **W** | - | **W** |  | **W** | **W** | **W** | **W** |  | **W** |  | **W** |  |  |  | **W** |  |  |  |
| Eusebius’ other works (Ps 51) | **3.21** | 318-325 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Arian heresy spreads, starting in Alexandria | | c.318-523 | Arians believed that Jesus was God, but not the same substance as the Father. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| **Constantine makes Christianity the official religion of the Roman Empire** | | **Fall-Winter 324** | Non-violently closed pagan temples so subjects would attend churches instead. Except that he executed the priests at Apollo's temple in Dydima in Asia Minor because they had told Diocletian to persecute Christians. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 91 Christian writer totals: all symbols except P’s + Eusebius of Caesarea prior to 325 A.D. | **4419.5**  **+1055.4** | up to 325: 20 | 43 | 40 | 10 | 15 | 28 | 19 | 15 | 7 | 6 | 7 | 6 | 12 | 8 | 8 | 12 | 5 | 10 | 8 | 12 | 26 |
| Ebionite heretic totals, all symbols except P's | **273.25** | up to 325: 5-1 | 2 | 4 | 0 | -2 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 |
| Gnostics, Encratites, Bardesan, all symbols except P's | **268** | up to 325: 3½ -1 | 2 | 1 | 0 | 0-1 | 0 | 1**½** | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| Clement of Rome to Dionysius of Corinth, Vienna | **263** | Up to 177: 20 | 6 | 6 | 1 | 4 | 6 | 1 | 3 | 1 | 1 | 1 | 1 | 2 | 1 | 1 | 2 | 1 | 1 | 1 | 1 | 2 |
| *Irenaeus Against Heresies* to Scillitan Martyrs | **268.25** | 182-202: 10 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 0 | 1 | 2 |
| *Proof of Apostolic Preaching*, *Stromata* | **268.5** | 160-202: 14 | 2 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 2 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 |
| Athenagoras to Theophilus, Caius to Apollonius, rest of Clement of Alexandria, Asterius Urbanus | **263** | 177-232: 16 | 6 | 6 | 0 | 1 | 3 | 2 | 2 | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 2 | 1 | 3 |
| Tertullian: *5 Books*, *Monogamy*, *Modesty;* Theodotus to Alexander of Cappadocia | **270.25** | 240-251: 15 | 4 | 4 | 1 | 1 | 4 | 1 | 1 | 1 | 0 | 2 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 2 | 1 | 1 |
| Hippolytus, Novatian & foes | **274** | 222-257: 13 | 4 | 4 | 0 | 1 | 3 | 3 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 2 | 1 | 0 | 1 |
| Cyprian of Carthage and friends | **271.75** | c.246-258: 16 | 4 | 2 | 1 | 1 | 2 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 3 |
| Origen’s *Prayer* and *Exhortation to Martyrdom, Pontius to Anatolius* | **267.5** | 233-280: 9 | 5 | 5 | 0 | 1 | 2 | 2 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 4 |
| Adamantius, Victorinus, Pamphilus to Athanasius, Lactantius’ *Epitome*, 2 Alexanders | **274.3** | 300-326: 15 | 6 | 7 | 1 | 0 | 6 | 3 | 3 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 2 | 1 | 1 | 1 | 3 | 4 |
| Christian writer, heretic, or Bible manuscript | Pages | Date A.D. | Bi1 | Bi2 | Bi3 | Bi4 | Bi5 | Bi6 | Bi7 | Bi8 | Bi9 | Bi10 | Bi11 | Bi12 | Bi13 | Bi14 | Bi15 | Bi16 | Bi17 | Bi18 | Bi19 | Bi20 |

.[www.Biblequery.org/History/ChurchHistory/PreNiceneTeachingOnTheBibleGrid.html](http://www.Biblequery.org/History/ChurchHistory/PreNiceneTeachingOnTheBibleGrid.html). References at [www.Biblequery.org/History/ChurchHistory/WhatEarlyChristiansTaughtOnDoctrine.html](http://www.Biblequery.org/History/ChurchHistory/WhatEarlyChristiansTaughtOnDoctrine.html)

by Steven M. Morrison, PhD. If you find what you think are any omissions or errors, please email webmaster@biblequery.org

Discussion on the Bible among Pre-Nicene Christians

The page counts are my counting of the English pages in the (Protestant) Pre-Nicene Fathers by Roberts and Donaldson and Nicene and Post Nicene Fathers. In places where a significant fraction was footnotes or blank space, I adjusted accordingly. The purpose of the pages is to give a relative measure of how much of each writer we have preserved.

The authority of God’s Word was very prominent among the early, pre-Nicene Christians.

On the Old Testament, Christians all agreed on the authority of the Old Testament, but they disagreed on whether the apocrypha should be scripture. But all of them were either silent of affirmed every book of the Old Testament, except that Melito of Sardis rejected Esther and Nehemiah. Gnostics differed from Christians in believing the Creator of this material universe as evil or misguided, and this Creator gave the Old Testament.

All pre-Nicene Christians also agreed on the authority of the New Testament. Dionysius of Alexandria agreed that the gospel of John was by someone named John, but he questioned whether it was the same apostle who wrote the letters and Revelation or not.

The term “gospels” meaning writings of Matthew, Mark, Luke, and John, goes back at least to the anonymous *Letter to Diognetus* (also called *Mathetes to Diognetus*) c.130 A.D. This is at 40 years before the heretic Marcion came along denying that Jesus was sent by the one who authored the Old Testament. This is also before Tatian (died 172 A.D.) wrote his harmony of the gospels, called *The Diatessaron*, meaning “the four”.

Martin Luther said James was an “Epistle of straw” and he put it at the back of the Bible. But Luther never denied it was scripture, and Luther put it in his translation of the Bible.

Other Christian Doctrines about the Bible

**... Scripture**

Scripture is not just "suggestions for life", but we must take its authority in our lives as seriously as our Lord & Biblical writers meant. Jn 10:35; Mt 4:1-11; Jn 14:23-24; 2 Pet 1:19-21;3:16; Rom 3:1-4; 2 Tim 3:15-16; Prov 30:5-6; Amos 8:11-2; Isa 66:5

The NT says some OT commands have been fulfilled and are not to be done. (eating pork, sacrifices, etc.) Acts 10:9-16; 15:1,5-29; Mk 7:19; Gal 5:2-4; Heb 9:9-10;10:18

;Ps119:74,81,89, 92,105

The entire Bible is authoritative, trustworthy, primary, and complete. Prov 30:5-6; 2 Tim 3:16

Every word in the 66 books is true in all it affirms, & all scripture is uniquely God -breathed. This includes all Gen, Ps & Rev. 2 Sam 22:31; Ps 33:4; 119:151; Prov 30:5-6

The Apocrypha has errors (Nebuchadnezzar in Judith not an Assyrian king, etc.)

We should interpret the Bible the way God meant the words to be understood. Don’t twist, trivialize, or ignore any of it. 2 Pet 3:16; Mk 7:13; Jn 8:37; 12:48-50; 14:23; ~Acts 13:48; ~Col 3:16; Ps 56:10; 119:16. It’s most precious to us. Ps 119:72,97,105,120

Don’t add to or go beyond God’s Word. Prov 30:5-6; 1 Cor 4:6-7; Dt 4:2; Rev 22:18; Ecc 12:12

God’s Word is true in its original manuscripts; truth is not contradictory, but it may be imprecise (i.e. Mt 28:1; Mk16:1; Lk24:1 & Jn 20:1, Ezra 2; Neh 7). The NT. has the exact substance of Jesus’ teaching, not exact words. Mt 22:37;13:22; Mk 12:30;4:19

God allowed some transmittal errors, but His Word stands forever. Isa 59:21; 40:8; Ps 119:89. His Word is preserved infallibly (without significant error) up thru today. Isa 55:11; 1 Pet 1:23-5; Ps 119:89,91,144,160. Our hope is in it. Ps 119:74,81

We’re saved by Jesus, not by studying scripture. Jn 5:37-40; Jms 1:22-5; 1 Cor 13:2; Lk 11 : 52

Some feelings in Ps 35:5-8; 42:11a; 7:8; 69:22-28; 109; 137:9 show we should pray what’s on our hearts; Christians are to love their enemies. Mt 5:43-8; Lk 6:27-35

Comparison of Early Christian Beliefs and Islam Relating to the Bible

The purple is what a Muslim imam said he believed about the following points.

**THE BIBLE**

**Bi1. Study and obey God’s Word as an authority agreed**

Bii2. The Old Testament is our authority half

**Bi3. The Old Testament prophesied About Jesus agreed**

**Bi4. Jesus superseded some Old Testament laws agreed**

Bi5. The New Testament is our authority Some

There are only four true gospels Some

Paul’s Letters are scripture Some [He said that Muslims had to respect all the scriptures that the Jews and Christians held, and believed they still contained some of God’s truth, though not in uncorrupted form.]

The Gospel of John was written by John No comment on this

Heb, Jms, 1,2 Pet, 1,2 Jn, or Jude scripture Some

The Book of Revelation is scripture Some